अनुशासन

स्वयं का हो जब स्वयं पर शासन,
कहलाये जग में अनुशासन।
आओ जानें इसका सृजन,
कैसे बनता है अनुशासन।
अनु पूर्वक शास् धातु संग,
बनता है यह अनुशासन।
आओ बूझें इसका अर्थ,
क्या कहते हैं स्वर व्यञ्जन।
अनु बतलाता अनुकरण,
शास् धातु नियमों का बन्धन।
कायदों पर रहना कायम,
यही सिखलाता अनुशासन।
बिन नियमों के दुष्कर सृष्टि,
बिन नियमों के दूभर जीवन।
मर्यादा की लाज बचाना,
है सिखलाता अनुशासन।
कुदरत भी कितने अदब से,
कर देती मौसम परिवर्तन।
सिद्धान्तों का अनुपालन,
है बतलाता अनुशासन।
चींटी जैसे छोटे जीव से,

सीख ले मेहनत और लगन।

इस जगत के हर जीव से,

सीख ले मानव अनुशासन।

नियमों पर रहें निरन्तर,

है सिखलाता अनुशासन।

परिवार,समाज और विद्यालय,

नींव है सबकी अनुशासन।

सफल बना लें मानवजीवन,

करें नियमित पालन अनुशासन।

करें नियमित पालन अनुशासन।

बाला नन्द झा 'सुशान्त'